

१. सोंधी सुगंध

- डॉ. कृपाशंकर शर्मा 'अचूक'

परिचय

जन्म : १९४९, एटा (उ.प्र.)

**परिचय :** डॉ. कृपाशंकर शर्मा 'अचूक' जी हिंदी साहित्य की विविध विधाओं में लिखते रहे हैं। आपने गीत, गजल, कविताएँ, दोहे एवं समीक्षाएँ लिखी हैं। इनके साथ-ही-साथ आपने बालगीत तथा बाल कहानियों में भी उल्लेखनीय लेखन किया है।

**प्रमुख कृतियाँ :** 'फिर भी कहना शेष रह गया', 'नदी उफान भरे' (गीत संग्रह), 'गीत खुशी के गाओ तुम' (बालगीत संग्रह) आदि।

पद्य संबंधी

प्रस्तुत गीत में कवि ने वर्षा ऋतु का वर्णन किया है। वर्षा में प्रकृति के विविध रूपों, पेड़-पौधों, नदी-तालाबों आदि में होने वाले परिवर्तनों का यहाँ सजीव एवं मनोहारी वर्णन किया गया है।

सोंधी-सोंधी-सी सुगंध, माटी से बोली,  
बादल बरस गया, धरती ने आँखें खोलीं।

चारों ओर हुई हरियाली कहे मयूरा,  
सदियों का जो सपना है हो जाए पूरा।  
एक यहाँ पर नहीं अकेला, होगी टोली,  
सोंधी-सोंधी-सी सुगंध, माटी से बोली ॥

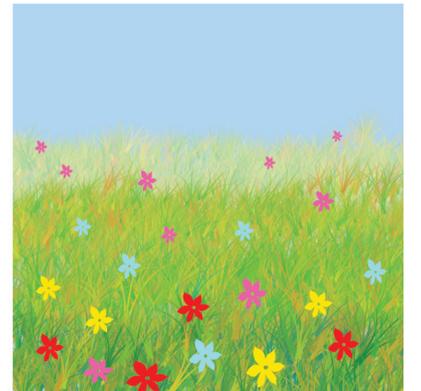
बाग-बगीचे, ताल-तलैया सब मुस्काएँ,  
झूम-झूमकर मस्ती में तरु गीत सुनाएँ।  
मस्त पवन ने अब खोली है अपनी झोली,  
सोंधी-सोंधी-सी सुगंध, माटी से बोली ॥

सागर का जो था मंसूबा सफल हो गया,  
खुशियों की दुनिया में आकर स्वयं खो गया।  
धरती ने शृंगार किया, फिर माथे रोली,  
सोंधी-सोंधी-सी सुगंध, माटी से बोली ॥

पावस का मधुमास आस-विश्वास बढ़ाता,  
नत मस्तक होकर 'अचूक' पद पुष्प चढ़ाता।  
सदा-सदा से चलती आई हँसी-ठिठोली,  
सोंधी-सोंधी-सी सुगंध, माटी से बोली ॥

( 'नदी उफान भरे' गीत संग्रह से )

— o —



## शब्द संसार

सोंधी वि.(दे.) = सुगंधित

मंसूबा पुं. सं.(अ.) = विचार, इरादा

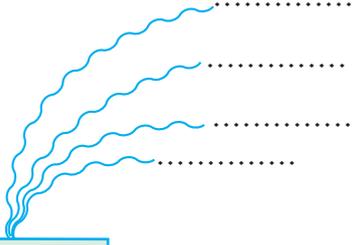
रोली स्त्री.सं(हिं) = हल्दी-चूने का चूर्ण

मधुमास पुं.सं.(सं) = वसंत ऋतु

## स्वाध्याय

\* सूचना के अनुसार कृतियाँ कीजिए :-

(१) कृति पूर्ण कीजिए :

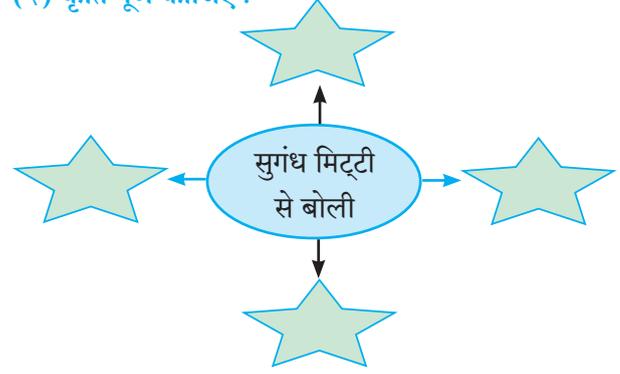


मेघों के बरसने से  
हुए परिवर्तन

(३) गीत में प्रयुक्त क्रियारूप लिखिए :

१. बाग-बगीचे, ताल-तलैया -----
२. झूम-झूमकर मस्ती में तरु गीत -----
३. मधुमास आस-विश्वास -----
४. धरती ने -----

(२) कृति पूर्ण कीजिए :



(४) उपसर्ग-प्रत्यय लगाकर शब्द लिखिए :



## अभिव्यक्ति

प्रस्तुत गीत की प्रथम चार पंक्तियों का भावार्थ लिखिए ।

## भाषा बिंदु

वर्तनी के अनुसार शुद्ध शब्द छांटकर लिखिए :

- |                                 |   |
|---------------------------------|---|
| १. विश्वास/विश्वास/विसवास ----- | ६. इकठठा/इकठ्टा/इकट्टा -----                  |
| २. मसतक/मस्थक/मस्तक -----       | ७. खुबसुरत/खूबसुरत/खूबसूरत -----              |
| ३. पथ्थर/पथ्तर/पन्थर -----      | ८. विद्यापीठ/विद्यापीठ/विद्यापिठ -----        |
| ४. कुरीति/कूरिति/कुरिती -----   | ९. बुद्धी/बुध्दी/बुद्धि -----                 |
| ५. चिन्ह/चीह्न/चिह्न -----      | १०. परिक्षार्थि/परीक्षार्थि/परीक्षार्थी ----- |

## उपयोजित लेखन

निम्नलिखित सुवचन पर आधारित कहानी लिखिए :

‘स्वास्थ्य ही संपदा है ।’



CGPAIG